Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to review the defence preparedness of our armed forces in view of the border standoff with China at Doklam and also utilise diplomatic channels on the issue.

-

श्री बीरेन्द्र कुमार चौधरी (झंझारपुर)ः चीन से सटी भारतीय सीमा पर आक्रमण के इरादे से चीन की तैयारी चल रही है। यह बहुत ही चिंता का विषय है। डोकलाम में जिस प्रकार से दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने डटी हैं, उसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि आने वाले समय में तनाव और बढ़ेगा। साथ ही वहाँ पर सैन्याभ्यास भी किया जा रहा है। चीन का कहना है कि डोकलाम हमारा है। चीन समझौते का उल्लंघन कर रहा है और अपनी विस्तारवादी नीतियों को आगे बढ़ाते हुए पूर्वोत्तर भारत के एक बड़े भू-भाग पर कब्जा करने की नीयत से वह उकसावे की कार्रवाई कर रहा है। चीनी समाचार पत्रों के माध्यम से धमकियाँ भी दी जा रही हैं कि उनकी सेना बहुत लम्बे समय तक शांत नहीं रह पाएगी। और ऐसी स्थिति में भारत को 1962 के युद्ध से कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा। चीन भारत से अपने सैनिकों को पीछे हटाने के लिए कह रहा है। चीनी मीडिया में यह छपा है कि भारत में कुछ लोग 1962 से मिली हार को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए ऐसी स्थिति को जान-बूझकर उत्पन्न कर रहे हैं।

ऐसी स्थिति में हमें न केवल अपनी सामरिक तैयारी को अत्यंत चौकन्ना रखने की आवश्यकता है बल्कि कूटनीतिक स्तर से भी विश्व समुदाय के समक्ष अपनी स्थिति को मजबूती से रखने की आवश्यकता है, ताकि हम चीन के नापाक इरादे को पूरी तरह से बेनकाब कर सकें।